Samyak
An Institute For Civil Services

THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak
An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

13 अगस्त

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

भारत, मालदीव ने 1,000 सिविल सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत किया

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता – सामान्य अध्ययन-II: भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध

सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और मालदीव के विदेश मंत्री श्री मूसा ज़मीर ने 2024 से 2029 तक 1,000 मालदीव सिविल सेवा अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का नवीनीकरण किया। यह नवीनीकरण भारत और मालदीव के बीच चल रही विकास साझेदारी का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और मालदीव में शासन क्षमताओं को बढ़ाना है।

पृष्ठभूमि

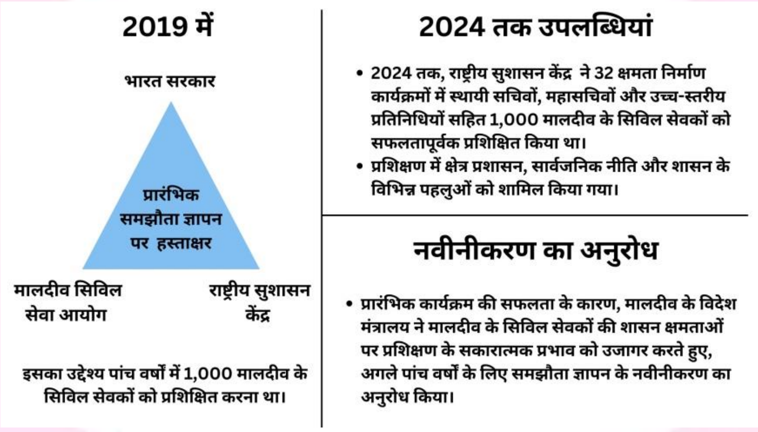

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

- ***आठ डिग्री चैनल:*** भारत के मिनिकॉय द्वीप (लक्षद्वीप) को मालदीव से अलग करता है।
- ***संयुक्त अभ्यास:*** भारत और मालदीव कई संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं, जिनमें "एकुवेरिन", "दोस्ती" और "एकाथा" शामिल हैं।
- ***ऑपरेशन कैक्टस:*** मालदीव में तख्तापलट की कोशिश को विफल करने के लिए भारत का 1988 का सैन्य हस्तक्षेप

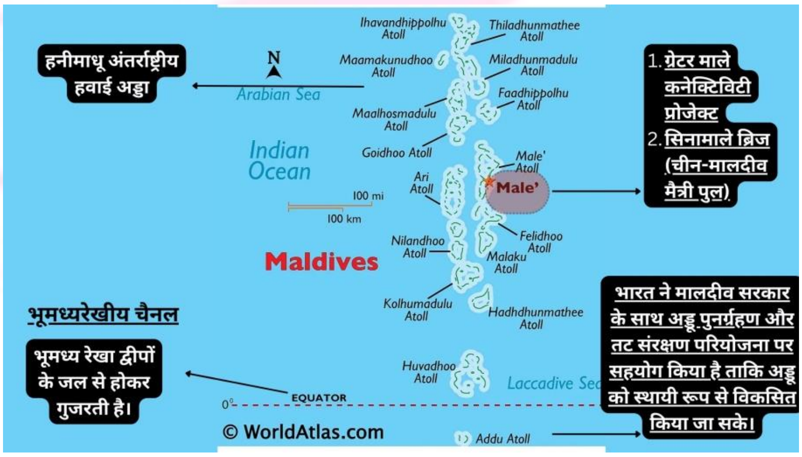

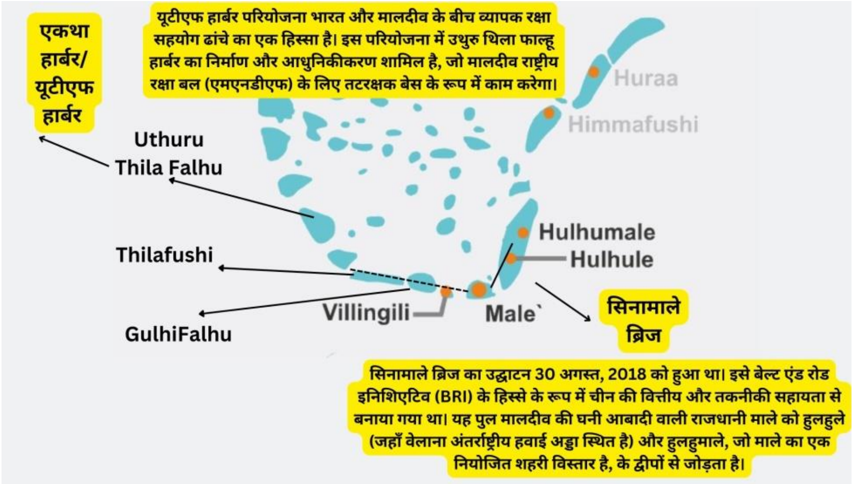

<u>मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण</u>

भारत और मालदीव संबंध

समाधान

1. कूटनीतिक जुड़ाव: भारत को मालदीव में सभी हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, आपसी सम्मान और सहयोग पर जोर देना चाहिए। इसमें नकारात्मक भावनाओं का मुकाबला करने के लिए लोगों के बीच संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाना शामिल हो सकता है।
2. आर्थिक सहयोग: सहायता और बुनियादी ढांचे से परे आर्थिक सहयोग का विस्तार साझेदारी को गहरा करने में मदद कर सकता है। भारत नवीकरणीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आईटी क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों की खोज कर सकता है, जो मालदीव की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।
3. सुरक्षा सहयोग: संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए आवश्यक होगा। भारत एंटी-पायरेसी, आतंकवाद-रोधी और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहायता प्रदान कर सकता है।
4. सार्वजनिक कूटनीति: भारत को मालदीव में सार्वजनिक कूटनीति में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए, साझेदारी के लाभों पर प्रकाश डालना चाहिए, जैसे कि शिक्षा छात्रवृत्ति, चिकित्सा सहायता और आपदा राहत प्रयास। यह "इंडिया आउट" अभियान का मुकाबला करने में मदद कर सकता है।

चुनौतियाँ

1. "इंडिया आउट" अभियान: "इंडिया आउट" आंदोलन के उदय के साथ मालदीव की राजनीति में एक महत्वपूर्ण चुनौती उभर कर सामने आई है। इस अभियान का तर्क है कि भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति मालदीव की संप्रभुता को ख़तरा है। वर्तमान मालदीव प्रशासन ने भारतीय सैनिकों की वापसी के लिए एक समय सीमा भी तय कर दी है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं
2. पर्यटन तनाव: कूटनीतिक तनाव ने पर्यटन क्षेत्र को प्रभावित किया है, विशेष रूप से भारतीय प्रधानमंत्री की लक्षद्वीप यात्रा के बाद। इसके कारण सोशल मीडिया पर "मालदीव का बहिष्कार" ट्रेंड शुरू हो गया, जिससे दोनों देशों के बीच पर्यटन संबंधों में तनाव पैदा हो गया।
3. चीन का बढ़ता प्रभाव: मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव, विशेष रूप से बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के तहत बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के माध्यम से, भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती है।
4. भारत ने ऐतिहासिक रूप से मालदीव को सुरक्षा सहायता प्रदान की है, जिसमें १९८८ के तख्तापलट के प्रयास (ऑपरेशन कैक्टस) के दौरान भी सहायता शामिल है। हालाँकि, भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति मालदीव की राजनीति में एक संवेदनशील मुद्दा बन गई है।

अन्य खबरें

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
सिलिकोसिस	• **सुर्खियों में क्यों** – हाल ही के एक अध्ययन से पता चलता है कि सिलिका धूल के संपर्क में जीवन भर रहने से, यहां तक कि "स्वीकार्य" स्तर पर भी, सिलिकोसिस नामक घातक फेफड़ों की बीमारी विकसित होने का खतरा रहता है। **सिलिकोसिस के बारे में** 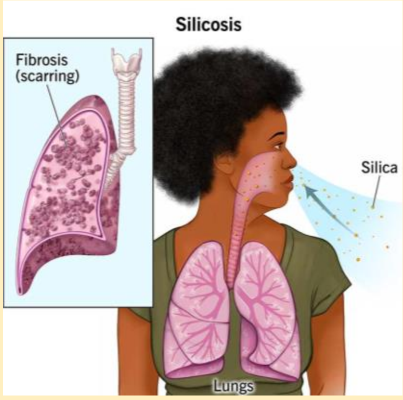 • सिलिका धूल को सांस के माध्यम से अंदर लेने से होने वाली एक लाइलाज फेफड़ों की बीमारी • इससे फेफड़े सख्त हो जाते हैं, सांस लेने में तकलीफ होती है और यह घातक भी हो सकता है। • यह रोग आमतौर पर **खदान, विनिर्माण और भवन निर्माण उद्योगों** में काम करने वाले लोगों में होता है। • इसमें निदान एक चुनौती है क्योंकि यह पता लगाना भी मुश्किल है कि किसी व्यक्ति को तपेदिक है या सिलिकोसिस • **भारत में** – गुजरात, राजस्थान, पांडिचेरी, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल
अमृत ज्ञान कोष पोर्टल एवं संकाय विकास पोर्टल'	• **सुर्खियों में क्यों** – हाल ही में, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान सम्मेलन में मिशन कर्मयोगी के तहत दो नए पोर्टल, 'अमृत ज्ञान कोष' और 'संकाय विकास पोर्टल' लॉन्च किए गए। **इसके बारे में** – • **अमृत ज्ञान कोष:** सिविल सेवकों के लिए भारत-केंद्रित केस स्टडी और शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक ज्ञान संग्रह पोर्टल • **संकाय विकास पोर्टल:** सिविल सेवा प्रशिक्षकों और संकाय सदस्यों की शिक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से एक मंच। • **मिशन कर्मयोगी:** सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए **2020** में शुरू किया गया एक राष्ट्रीय कार्यक्रम। इस पहल का उद्देश्य भारत के सिविल सेवकों को नागरिक-केंद्रित, भविष्य के लिए तैयार और परिणाम-उन्मुख पेशेवरों में बदलना है। इसमें **डिजिटल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** और **ऑनलाइन लर्निंग पोर्टल iGOT** कर्मयोगी भारत का उपयोग शामिल है।
यमुना नदी	• **सुर्खियों में क्यों** – राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने यमुना बाढ़ क्षेत्र में निर्माण के संबंध में डीडीए, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) और कई अन्य एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा है। • **यमुना के बारे में** – गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी। • **विशेषता** – दुनिया की **सबसे बड़ी स्वतंत्र पर्वत श्रृंखला**, जिसका अर्थ है कि यह

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
किसी पर्वत श्रृंखला का हिस्सा नहीं है।
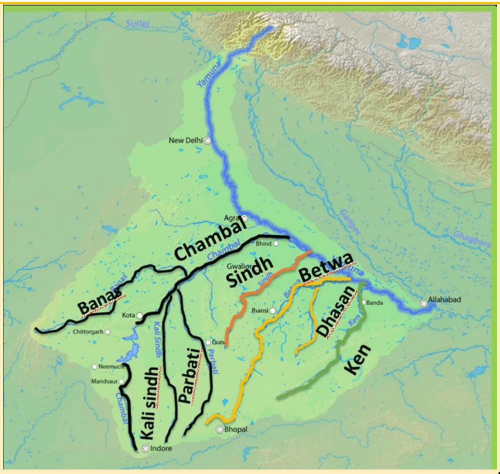

• <u>उद्गम:</u> 4,421 मीटर की ऊंचाई पर यमुनोत्री ग्लेशियर।
• <u>लंबाई:</u> 1,376 किमी
• <u>मार्ग:</u> तीन राज्य से - उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा
• <u>संगम:</u> प्रयागराज (इलाहाबाद) के पास यमुना गंगा नदी में मिल जाती है।
• <u>धार्मिक महत्व:</u> दोनों नदियों का संगम हिंदुओं के लिए विशेष रूप से पवित्र स्थान है और यह वार्षिक त्योहारों के साथ-साथ कुंभ मेले का भी स्थान है, जो हर 12 साल में आयोजित होता है।
<u>सहायक नदियाँ:</u>
• सबसे बड़ी सहायक नदी: टोंस नदी.
• दाहिनी तट की सबसे बड़ी सहायक नदी: चम्बल नदी
• अन्य सहायक नदियाँ: दाहिनी ओर हिंडन, सारदा और गिरि नदियाँ और बायीं ओर बेतवा और सिंध।
</td>
</tr>
<tr>
<td>ग्रेट बैरियर रीफ</td>
<td>
• <u>सुर्खियों में क्यों -</u> एक नए अध्ययन के अनुसार, पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ और उसके आस-पास के पानी का तापमान 400 वर्षों में सबसे अधिक बढ़ गया है, जिससे दुनिया की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति खतरे में पड़ गई है।
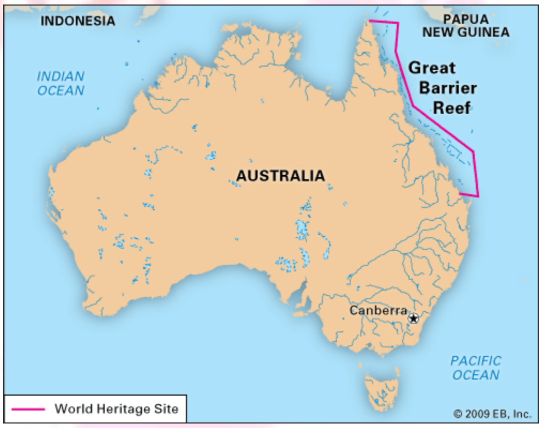

• <u>इसके बारे में:</u> कोरल सागर में ऑस्ट्रेलिया के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित प्रशांत महासागर में प्रवाल भित्ति, शोल और टापुओं का एक परिसर।
• <u>महत्व:</u> दुनिया का सबसे लंबा और सबसे बड़ा रीफ परिसर और पृथ्वी पर सबसे बड़ी जीवित संरचना।
• <u>रीफ विविधता:</u> यह लगभग 3,000 अलग-अलग रीफ और 900 से ज़्यादा द्वीपों से बना है।
• 1981 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।
• <u>संरक्षण:</u> ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ मरीन पार्क प्राधिकरण द्वारा प्रबंधित एक समुद्री संरक्षित क्षेत्र।
</td>
</tr>
</table>

	<u>प्रारंभिक परीक्षा 2010 से प्रश्न</u> **निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:** 1. विश्व की अधिकांश प्रवाल भित्ति उष्णकटिबंधीय जल में हैं। 2. विश्व की एक तिहाई से अधिक प्रवाल भित्ति ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस के क्षेत्रों में स्थित हैं। 3. उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों की अपेक्षा, प्रवाल भित्तियाँ कहीं अधिक संख्या में जन्तु संघों का परपोषण करती हैं। **ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?** a) केवल 1 और 2 b) केवल 3 c) केवल 1 और 3 d) 1, 2 और 3
सेरोपेगिया शिवरायियाना	• **<u>सुर्खियों में क्यों</u>** - हाल ही में महाराष्ट्र के विशालगढ़ परिसर में 'सेरोपेगिया' वंश की एक नई **फूलदार पौधे की प्रजाति** की खोज की गई है और इसका नाम सेरोपेगिया शिवरायियाना रखा गया है। • **<u>इसके बारे में:</u>** छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर एक फूलदार पौधे की प्रजाति की खोज उनके प्रसिद्ध किलों में से एक विशालगढ़ में की गई। • **<u>विशेषता:</u>** इसमें अद्वितीय, ट्यूबलर फूल होते हैं, जो परागण के लिए पतंगों को आकर्षित करने के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होते हैं। • **<u>स्थान:</u>** **चट्टानी इलाके** और कम पोषक तत्व वाली या खराब मिट्टी में उगने में सक्षम।

पिनाका-एमके3	• **<u>सुर्खियों में क्यों</u>** - रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) **पिनाका-एमके3** विकसित कर रहा है। यह भारत की स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली का तीसरा संस्करण है।
	• **<u>इसके बारे में:</u>** एक उन्नत संस्करण मूल पिनाका प्रणाली के नक्शेकदम पर चलता है।
	• डीआरडीओ दो वेरिएंट पर काम कर रहा है:
	  ○ पहला संस्करण: 120 किलोमीटर या उससे भी अधिक की अपेक्षित सीमा,
	  ○ दूसरा संस्करण: 300 किलोमीटर की अपेक्षित सीमा।
	
	• **<u>अपेक्षित गति:</u>** 5757.70 किलोमीटर प्रति घंटा.

	• **क्षमताएं:** *यह किसी भी मौसम में काम कर सकता है। यह दूर के दुश्मनों पर हवाई हमला कर सकता है।*